The University of Burdwan

Revised Syllabus for M. Phil. Programme in Hindi

w.e.f.

Academic Session: 2017 - 2018

अंक–विभाजन

सेमेस्टर – I

Paper-101

प्रथम पत्रः — **कुल अंक– 50**

शोध–प्रविधि — **क्रेडिट –4**

Paper-102

द्वितीय पत्रः — **कुल अंक– 50**

साहित्य और विचारधारा — **क्रेडिट –4**

Paper-103 — **कुल अंक– 50**

तृतीय पत्रः (आंतरिक मूल्यांकन)

टर्म पेपर — (25+25) = 50 **अंक**

सेमिनार पेपर

सेमेस्टर- II

Paper-201 — **कुल अंक– 50**

साहित्य का समाजशास्त्र — **क्रेडिट –4**

Paper-202 — **कुल अंक– 50**

तुलनात्मक साहित्य — **क्रेडिट –4**

Paper-203 — **कुल अंक– 50**

टर्म पेपर — **क्रेडिट –4**

सेमिनार पेपर — (25+25) = 50 **अंक**

सेमेस्टर- III & IV

चतुर्थ पत्रः (लघु शोध–प्रबंध) **कुल अंक–200 (150+50)**

(क) लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन (लिखित) 150 **अंक**

(ख) लघु शोध–प्रबंध का मूल्यांकन (मौखिक) 50 **अंक**

पाठ्यक्रम का कुल योग - 500

सेमेस्टर–I

Paper-101 **कुल अंक–** 50

क्रेडिट –4

शोध–प्रविधि

इकाई–1

शोध–प्रविधि एवं तकनीक शोध–अर्थ,परिभाषा, स्वरूप, प्रक्रिया एवं प्रकार, अनुसंधान एवं आलोचना, शोधार्थी की अर्हताएँ

इकाई–2

विषय निर्वाचन, शोध–परिकल्पना, शोध–अभिकल्प, अध्यायीकरण एवं उप अध्यायीकरण, क्षेत्रीय कार्य, प्रबंध–लेखन

इकाई–3

तथ्य संग्रह, साक्ष्य का उपयोग, उद्धरण, संदर्भ, सहायक ग्रंथ–सूची एवं नामानुक्रमणिका का निर्माण

इकाई–4

व्यवहार पक्षः हिंदी साहित्य का इतिहास (रामचंद्र शुक्ल), हिंदी के विकास में अपभ्रंश का योग (नामवर सिंह), भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य (मैनेजर पांडेय), समकालीन कहानीः युगबोध का संदर्भ (पुष्पपाल सिंह)

अंक विभाजन **कुल अंक – 50**

चार टिप्पणीमूलक प्रश्न **4X5 = 20**

दो आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **2X15 = 30**

अनुमोदित पुस्तकें -

1-मैनेजर पांडेय- साहित्य और इतिहास दृष्टि, दिल्ली 1981

2-नलिन विलोचन शर्मा- साहित्य और इतिहास दर्शन, पटना 1960

3- नामवर सिंह- इतिहास और आलोचना, दिल्ली 1978

4- सावित्री सिन्हा- अनुसंधान का स्वरूप

5- दुर्गादास काशी नाथ संत- शोध–विज्ञान कोश

6- सावित्री सिन्हा और विजयेन्द्र स्नातक (संपादक)- अनुसंधान की प्रक्रिया

7- विजयपाल सिंह - हिंदी अनुसंधान

8- एस. एन. गणेशन - अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत

9- डॉ. राममल बोरा - अनुसंधानःप्रविधि और क्षेत्र

10- भ. ह. राजूरकर, डॉ. राजमल बोरा (संपादक)- हिंदी अनुसंधान के आयाम

11-C-R- Kothari- Research Methodology, New Age International Publisher

12-W-B- Barbridge- The Art of Scientific Research

13-W- I- B- Beveridge- The Art of Scientific Investigation

14-W- A- Boggley - Facts: How to Find Them

15- T-Hallaway- Introduction to Research

16-Ralph Conhen (Edited) - New Directions in Literary History 1974

17- Rene Walleck - Discrimination 1970, Delhi

Paper-102

कुल अंक–50

क्रेडिट –4

साहित्य और विचारधारा

इकाई–1

विचारधारा क्या है? विचारधारा का सामाजिक आधार, विचारधारा और राजनीति, विचारधारा के रूपों में साहित्य का स्थान, साहित्य की अवधारणा पर विचारधारा का प्रभाव, साहित्य की सर्जन–प्रक्रिया में लेखक और पाठक की विचारधाराओं का द्वन्द्व, साहित्यिक कृतियों की व्याख्या और विचारधारा की समस्या, विचारधारा और साहित्य–रूप, विचारधारा और साहित्य के संस्थान।

इकाई–2

कुछ प्रमुख विचारधाराएँ– नवजागरण और भारतीय नवजागरण, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, मार्क्सवाद, उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई–3

अस्मितामूलक विमर्श– दलित–विमर्श, स्त्री–विमर्श, आदिवासी–विमर्श, संस्कृति–विमर्श, पर्यावरण–विमर्श

इकाई–4

व्यवहार पक्ष– अंधेर नगरी, गोदान, आत्मजयी, राग दरबारी, जूठन, मुर्दहिया, अपने–अपने पिंजरे, आवां

अंक विभाजन	**कुल अंक – 50**
चार टिप्पणीमूलक प्रश्न	**4X5 = 20**
दो आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	**2X15 = 30**

अनुमोदित पुस्तकें–

1-रामविलास शर्मा- आस्था और सौंदर्य, नई दिल्ली, 1990

2-रामविलास शर्मा- मार्क्स और पिछड़े हुए समाज, नई दिल्ली, 1986

3-कमला प्रसाद- साहित्य और विचारधारा, इलाहाबाद, 1986

4-सुधेश- साहित्य के विविध आयाम, दिल्ली, 1983

5-मैनेजर पांडेय- साहित्य और इतिहास दृष्टि, दिल्ली 1981

6-मैनेजर पांडेय- 'क्या यथार्थवाद की विजय का अर्थ विचारधारा की पराजय है', 'प्रस्ताव', मार्च, 1984

7-गोरख पांडेय (अनुवादक)- कला और साहित्य–चिंतन, नई दिल्ली, 1931

8-हजारी प्रसाद द्विवेदी- मध्यकालीन बोध का स्वरूप

9-रामविलास शर्मा- भारतेंदु और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ

10-रामविलास शर्मा- हिंदी नवजागरण और महावीर प्रसाद द्विवेदी

11-जॉन स्टुअर्ट मिल- स्त्री पराधीनता

12-जगदीश्वर चतुर्वेदी- स्त्रीवादी साहित्य–विमर्श

13-शरण कुमार लिम्बांले- दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र

14-तेजसिंह- आज का दलित साहित्य

15-रूपा गुप्ता- साहित्य और विचारधारा

16-गोपीचंद नारंग- संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र

17-मेरी वोल्स्टन- स्त्री अधिकारों का औचित्य साधन

18-आलोचना पत्रिका- नवांक, संख्या 18, अप्रैल–जून 1970, दिल्ली

19-Simone de Beauvoir The Second Sex (स्त्री उपेक्षिता, प्रभा खेतान, अनुवादक)

20-Parekh] Bhikhu- Marx's Theory of Ideology

21-Althusser, Lois- Lenin and Philosophy and other Essays London 1971

22-Fisher, Earnest- Arts Against Ideology, London 1969

23-Khrapechenko, M.- The Writer*s Creative Individuality and Development of
24-Literature, Moscow 1977

25-Macherey, Pierre- A Theory of Literary Production, London 1978

26-Williams, Raymond- Marxism and Literature, London 1977

27-Williams, Raymond- On Ideology, London 1978

28-Eagleton, Terry- Criticism and Ideology, London&1976

29-Eagleton, Terry- The Ideology of Aesthetics, London 1990

30-Eagleton, Terry- Ideology: An Introduction, London 1991

31-Lichtheim ,George- The Concept of Ideology and Other Essays, New York
1967

Paper- 103

कुल अंक 25 X 25 = 50

क्रेडिट - 4

टर्म पेपर एवं सेमिनार प्रस्तुति

क) इस पत्र के अंतर्गत शोधार्थी को पिछले पाँच वर्षों की अवधि में प्रकाशित हिन्दी की किसी साहित्यिक कृति पर केन्द्रित टर्म पेपर / समीक्षात्मक आलेख कम– से – कम तीन हजार शब्दों में प्रस्तुत करना होगा ।

ख) शोधार्थी को साहित्यिक कृतियों (टर्म पेपर के अलावा) पर आधारित शोधपरक सेमिनार प्रपत्र प्रस्तुत करते हुए उस विषय पर सेमिनार – प्रस्तुतीकरण भी करना होगा ।

सेमेस्टर– II

Paper-201 **कुल अंक–50**

क्रेडिट –4

साहित्य का समाजशास्त्र

इकाई–1

साहित्य का समाजशास्त्र और प्रमुख साहित्यिक समाजशास्त्रीः साहित्य के समाजशास्त्र का स्वरूप, साहित्य के समाजशास्त्र के अध्ययन की दिशाएँ, समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की परंपराएँ भारतीय और पाश्चात्य, प्रमुख साहित्यिक समाजशास्त्रीः (डॉ. पी. मुखर्जी, पी.सी. जोशी, इपोलित अडोल्फ तेन, लियो लावेंथल, लूसिएँ गोल्डमान, रेमंड विलियम्स, स्टुअर्ट हॉल)

इकाई–2

उपन्यास का समाजशास्त्र और हिंदी उपन्यासः

व्यवहार पक्ष– रंगभूमि, सत्ती मैया का चौरा, आधा गाँव, धरती धन न अपना, छप्पर, कठगुलाब, सूखा बरगद, काशी का अस्सी

इकाई–3

कविता का समाजशास्त्र

व्यवहार पक्ष – संसद से सड़क तक, सृष्टि पर पहरा, सबूत, स्त्री मेरे भीतर

इकाई–4

लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र:

व्यवहार पक्ष: देवकीनंदन खत्री, गोपालराम गहमरी, गुलशन नंदा, सुरेन्द्र मोहन पाठक

अंक विभाजन **कुल अंक – 50**

चार टिप्पणीमूलक प्रश्न **4X5 = 20**

दो आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **2X15 = 30**

अनुमोदित पुस्तकें–

1-मैनेजर पांडेय- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका

2-मैनेजर पांडेय- संकट के बावजूद

3-निर्मला जैन- साहित्य का समाजशास्त्रीय चिन्तन

4-पूरनचन्द जोशी- परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम

5-डी. पी. मुखर्जी- डाइवर्सिटी

6-Escarpit, Robert- Sociology of Literature, London, 1965

7-Swingewood, Alan- Sociology of Literature, London, 1972

8-Hall, John- Sociology of Literature London, 1979

9-Burn, Tom and Elizabeth (Ed-) Sociology of Literature and Drama, London, 1973

Paper-202

कुल अंक–50

क्रेडिट –4

तुलनात्मक साहित्य

इकाई–1

तुलनात्मक साहित्य – परिभाषा, विभिन्न अवधारणाएँ और महत्त्व, तुलनात्मक साहित्य की उपयोगिता और संभावनाएँ, विश्व साहित्य की अवधारणा, राष्ट्रीय साहित्य, भारतीय साहित्य की समस्याएँ।

इकाई–2

हिंदी के जातीय साहित्य के विकास की ऐतिहासिक प्रक्रिया और समस्याएँ। तुलनात्मक साहित्य का भारतीय परिदृश्य –उपलब्धियाँ और संभावनाएँ। हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–3

व्यवहार पक्ष– प्रेमचंद और फकीर मोहन सेनापति, निराला और काजी नजरूल इस्लाम

इकाई–4

व्यवहार पक्ष– जयशंकर प्रसाद और द्विजेन्द्रलाल राय, सुमित्रानंदन पंत और वर्ड्सवर्थ

अंक विभाजन **कुल अंक – 50**

चार टिप्पणीमूलक प्रश्न **4X5 = 20**

दो आलोचनात्मक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न **2X15 = 30**

अनुमोदित पुस्तकें–

1-रामविलास शर्मा- भारतीय साहित्य की भूमिका

2-राजेन्द्रनाथ शर्मा- भारतीय साहित्य की समस्याएँ

3-इंद्रनाथ चौधरी- तुलनात्मक साहित्य की भूमिका

4-राजमल बोरा (संपादक)- तुलनात्मक अध्ययनः स्वरूप और समसायाएँ

5-राजमल बोरा (संपादक)- तुलनात्मक अध्ययनः भारतीय भाषाएँ और साहित्य

6-Linford Henry- Comparative Literature

7-Rene Etiemble- The Crisis in Comparative Literature Published by Michigan University Press, 1966

8-Henry Remak- Comparative Literature: Method and Perspective 1966

9-S-S- Prawer - Comparative Literary Studies, London 1973

10-Amiya Dev - Comparative Indian Literature, Amritsar,1981

11-S- K- Das - The Idea of an Indian Literature, Vagarth&Vol-1, 1973

12-Nagendra (Editor)- Indian Literature, Agra, 1954

13-Nagendra- Comparative Literature, Delhi&1977

Paper- 203

कुल अंक 25 X 25 = 50

क्रेडिट - 4

टर्म पेपर एवं सेमिनार प्रस्तुति

क)शोधार्थी को पिछले पाँच वर्षो की अवधि में प्रकाशित किसी विधा पर केन्द्रित महत्त्वपूर्ण पुस्तकों पर एक शोधपरक आलेख कम–से–कम तीन हजार शब्दों में प्रस्तुत करना होगा ।

ख) शोधार्थी द्वारा अपनी रूचि के किसी विषय पर केन्द्रित शोधपरक सेमिनार प्रपत्र प्रस्तुत करते हुए उस विषय पर सेमिनार–प्रस्तुतीकरण भी करना होगा ।

सेमेस्टर- III & IV

चतुर्थ पत्रः (लघु शोध–प्रबंध)	**कुल अंक–200 (150+50)**
(क) लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन (लिखित)	150 **अंक**
(ख) लघु शोध–प्रबंध का मूल्यांकन (मौखिक)	50 **अंक**